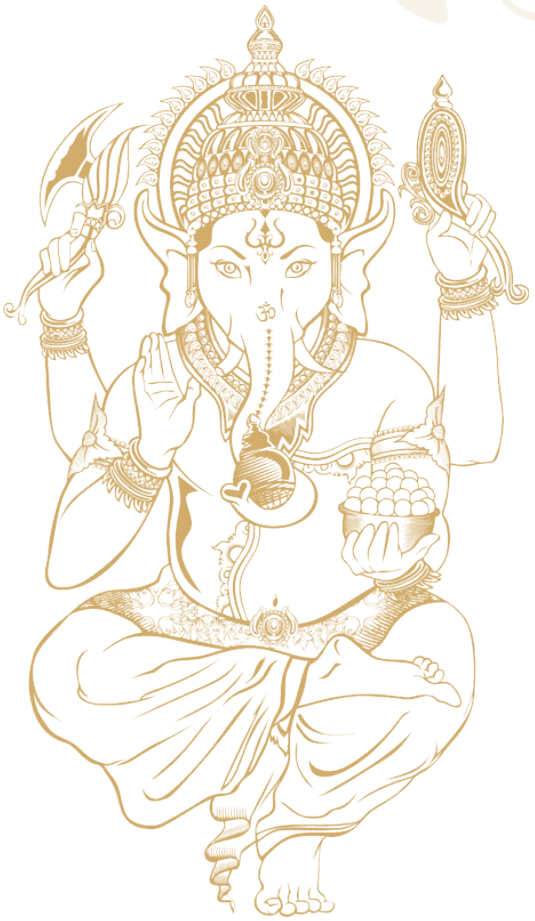

# Karan Sah

# Meghna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121341702

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 13/02/1994 | जन्म तिथि | 09/02/2001 |
| रविवार | दिन | शुक्रवार |
| घंटे 18:42:00 | जन्म समय | 18:05:00 घंटे |
| घटी 30:39:36 | जन्म समय(घटी) | 29:00:43 घटी |
| India | देश | India |
| Sitamarhi | स्थान | Gopalganj |
| 26:36:00 उत्तर | अक्षांश | 26:28:00 उत्तर |
| 85:30:00 पूर्व | रेखांश | 84:26:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:12:00 | स्थानिक संस्कार | 00:07:44 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:26:09 | सूर्योदय | 06:32:48 |
| 17:38:37 | सूर्यास्त | 17:40:28 |
| 23:46:46 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:52:06 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि 17वर्ष 5मा 24दि | 15:33:29 | सिंह | लग्न | सिंह | 03:06:56 | शुक्र 18वर्ष 5मा 27दि |
| बुध | 00:49:42 | कुंभ | सूर्य | मक | 26:57:36 | चन्द्र |
| 09/08/2011 | 04:23:52 | मीन | चंद्र | सिंह | 14:20:20 | 08/08/2025 |
| 08/08/2028 | 19:00:41 | मक | मंगल | वृश्चि | 03:19:05 | 08/08/2035 |
| बुध 05/01/2014 | 13:22:09 | कुंभ व | बुध व | कुंभ | 04:12:15 | चन्द्र 08/06/2026 |
| केतु 02/01/2015 | 20:31:33 | तुला | गुरु | वृष | 07:42:35 | मंगल 07/01/2027 |
| शुक्र 02/11/2017 | 07:25:41 | कुंभ | शुक्र | मीन | 11:38:01 | राहु 08/07/2028 |
| सूर्य 08/09/2018 | 08:04:19 | कुंभ | शनि | वृष | 00:25:04 | गुरु 07/11/2029 |
| चन्द्र 08/02/2020 | 04:47:22 | वृश्चि व | राहु व | मिथु | 21:11:36 | शनि 08/06/2031 |
| मंगल 04/02/2021 | 04:47:22 | वृष व | केतु व | धनु | 21:11:36 | बुध 07/11/2032 |
| राहु 24/08/2023 | 00:18:46 | मक | हर्ष | मक | 26:56:59 | केतु 08/06/2033 |
| गुरु 29/11/2025 | 28:16:45 | धनु | नेप | मक | 12:55:57 | शुक्र 07/02/2035 |
| शनि 08/08/2028 | 04:13:09 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 21:02:05 | सूर्य 08/08/2035 |

**लग्न-चलित**

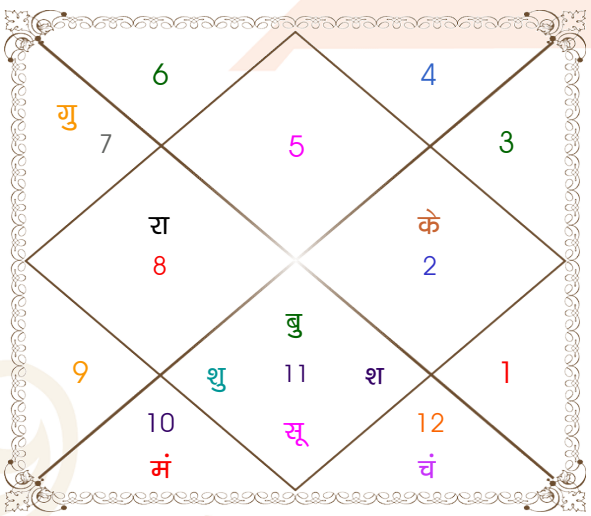


**लग्न-चलित**

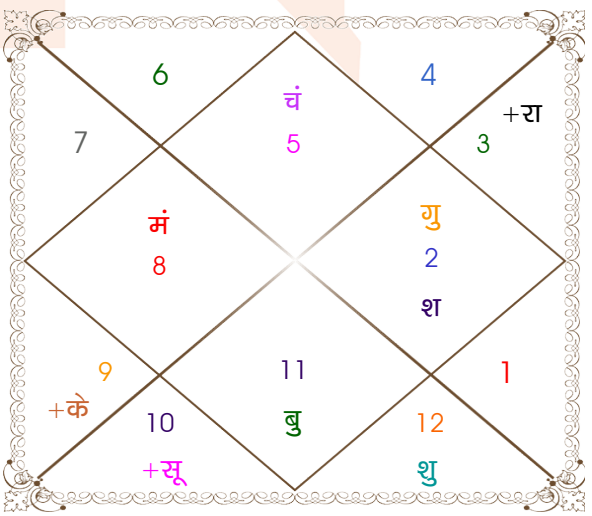

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | वनचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | वध | क्षेम | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गौ | मूषक | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | सूर्य | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मीन | सिंह | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 16.50 | | |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Karan Sah का वर्ग सर्प है तथा Meghna का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Karan Sah और Meghna का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

Karan Sah मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Meghna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।**
**वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Meghna कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Meghna कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।**

**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Karan Sah कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Karan Sah कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Karan Sah तथा Meghna में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।